महानगर वर्ष 54 | अंक 288 | पृष्ठ : 16+16 मूल्य : सात रुपये बरेली शुक्रवार, 4 नवंबर 2022 कार्तिक शुक्ल-एकादशी • विक्रम संवत-2079

अमर उजाला

PAGE NO : 02 TOP

थिएटर फेस्टिवल

शाम 4:00 बजे : रिद्धिमा में थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष में अकबर द ग्रेट नहीं रहे का मंचन होगा।

PAGE NO : 05 MIDDLE

लालेश्वरी की रचनाएं यानी प्रेम और इंसानियत का दस्तावेज

बरेली। रिद्धिमा के थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष में बृहस्पतिवार को कवियत्री लालेश्वरी पर केंद्रित संगीतमय नाटक एक आवाज मोहब्बत की लालेश्वरी का मंचन रूबरू थिएटर की ओर से किया गया।

थिएटर ग्रुप की संस्थापक काजल सूरी ने इस नाटक का मंचन किया। कश्मीर की वादियों में रहने वाली लालेश्वरी का किरदार चंद्राणी मुखर्जी ने निभाया। नाटक की शुरूआत लालेश्वरी के परिचय से होती है। लालेश्वरी कश्मीर की शैव भक्ति परंपरा और भाषा की विद्वान थीं। उन्हें लल्ल के नाम से भी जाना जाता था। उनकी काव्य

थिएटर फेस्टिवल

शैली को वाख कहते थे। वाख कश्मीरी भाषा छंद है, जिसमें कवि केवल चार पक्तियों में अपनी बात कहता है।

लालेश्वरी के वाख, कबीर के दोहों की तरह प्रसिद्ध हैं। उन्होंने धार्मिक आडंबरों का विरोध किया और प्रेम और इंसानियत को सबसे बड़ा मूल बताया। नाटक में जसकिरण चोपड़ा, शुभम शर्मा, दीनू शर्मा, नवज्योति, लोकेश आदि ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई। इस मौके पर एसआरएसएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आदित्य मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति मौजूद रहे। संवाद